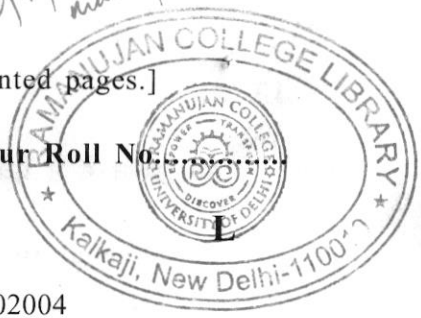

12/6/26
RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.............

Sr. No. of Question Paper : 4371 **L**

Unique Paper Code : 2051002004

Name of the Paper : Ability Enhancement Course Hindi (AECs) D

Name of the Course : **Common Programme Group: AEC**

Semester : IV

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

समय : 2 घण्टे पूर्णांक : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से **एक** के बारे में लिखिए : (10)

(Write about **any one** of the following)

हुमायूँ मकबरा, लाल किला, कुतुब मीनार ।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** भारतीय व्यंजन के बारे में लिखिए : (10)

(Write about **any one** of the following Indian dishes)

दाल बाटी चूरमा, जलेबी, ढोकला ।

3. किसी **एक** का वर्णन कीजिए : (10)

(Describe **any one**)

ईद, दशहरा, सलवार सूट, लहंगा चोली ।

4. किसी **एक** विषय पर संवाद लिखिए : (10)

(Write a dialogue on **any one** topic)

नायक-खलनायक का संवाद (किसी भी हिंदी फिल्म के आधार पर)

मालिक-नौकर का संवाद (किसी भी हिंदी नाटक के आधार पर)

प्रेमी-प्रेमिका का संवाद (किसी भी एक नाटक के आधार पर)

अथवा

पत्र लिखिए :

(Write a letter)

सरकारी नौकरी में उच्च पद प्राप्त होने पर बधाई देते हुए पत्र लिखिए ।

5. किसी **एक** का आँखों देखा वर्णन कीजिए : (10)

(Describe **any one** as you see it)

सड़क-दुर्घटना, खेल दिवस, कॉलेज का वार्षिकोत्सव ।

6. निम्नलिखित गद्यांश को पढकर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये । (2×5=10)

शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य की सभी क्षमताओं का विकास करना है, जिसके अंतर्गत शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और नैतिक सभी क्षमताएँ सम्मिलित हैं। शिक्षित व्यक्ति अपने शारीरिक विकास का ध्यान रखता है, जिससे वह अपने कर्तव्यों का सम्यक्ध परिपालन कर सके। बाँद्धिक विकास से अभ्निप्राय केवल यह नहीं है कि शिक्षित व्यक्ति कुछ तथ्यों को जान लेता है, बल्कि यह है कि वह जीवन के सभी क्षेत्रों में ऐसा व्यवहार करता है जो बुद्धि-विरोधी न हो। साहित्य और लल्नित कलाओं के प्रति अनुराग तथा उनके स्वरूप की पहचान को भी शिक्षित व्यक्ति

का एक आवश्यक गुण समझा जाता है। उसका 'स्व' विस्तृत होता है, क्योंकि वह स्वहित से अधिक महत्त्व परहित को देता है और देशहित के आगे सब कुछ नयोछावर कर सकता है। केवल साक्षर होना, पढ़-लिख लेना ही शिक्षित होना नहीं है। यदि हम विनम्र, उदार और सहनशील नहीं हैं, तथा देश और समाज को सर्वोपरि नहीं मानते, तो हम डिग्रीधारी भले ही हों, शिक्षित कदापि नहीं हैं।

(क) गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक बेताइए।

(ख) मनुष्य की क्षमताओं का विकास कौन करता है?

(ग) शिक्षित व्यक्ति का गुण किसे समझा जाता है?

(घ) शिक्षित व्यक्ति कैसा व्यवहार करता है?

(ङ) 'साक्षर' से क्या तात्पर्य है।